What_a_wonderful_world_louis_armstrong_mp3_song_

इस प्रकार ध्यान करने के उपरान्त निम्नलिखित मन्त्र का जप करें-

मन्त्र

शिवः शक्त्या युक्तो यदि भवति शक्तः प्रभवितुं ।

न चेदेवं देवो न खलु कुशलः स्पन्दितुमपि ।।

अतस्त्वामाराध्यां हरिहर-विरंच्यादिभिरपि ।

प्रणन्तुं स्तोतुं वा कथमकृतपुण्यः प्रभवति।।

अर्थात् हे शिव ! तू सदैव शक्तियुक्त ही है। यदि तू शक्ति से रहित होता तो 'इ'कार रहित शिव अर्थात् शव के समान होता। फिर विश्व की क्रिया का स्पन्दन कैसे और कंहा होता। विश्व दृश्य दर्शनाधारा शुद्ध चैतन्य प्रस्फुरिता दिव्य शक्ति ही है। अतः वह परअपरा महामाया कामकूट सिद्धिदा पूर्णकामा कामस्वरूपा हरिहर-विरंचिवरदा समस्त देववृन्द द्वारा वन्दिता ही इस जगत में आराधना करने योग्य है। उत्पत्ति, स्थिति, संहारात्मिका महाशक्ति परा हे अनन्तशक्ति! तेरे अनन्त गुणों का गान करने एवं तेरे अमोघ चरणों की वन्दना करने का सौभाग्य किसी पापी को किस प्रकार हो सकता है।

विधि :- उपरोक्त मन्त्र का जप एक हजार की संख्या में अपने मूलाधार में ध्यान लगाते हुए करें। तदोपरान्त एक माला से होम

Sumit Girdharwal Ji & Shri Yogeshwaranand Ji
9540674788, 9410030994
sumitgirdharwal@yahoo.com, shaktisadhna@yahoo.com
www.baglamukhi.net, www.yogeshwaranand.org

What_a_wonderful_world_louis_armstrong_mp3_song_

Diskusi Bike Fitting bersama Bike Fitter Singapura, Choonwei - Podcast Main Sepeda w/ AZA

& Ray #29, MAINSEPEDA, 58:02, PT58M2S, 79.7 MB, 7778, 306â ,Â ...

[LATEST UPDATE: 44 seconds ago] ab995cc31a